• बाल कविताएं...

आई बिल्ली...

जब से घर में आई बिल्ली
खा गई दूध-मलाई बिल्ली।
ताक लगाये बैठी रहती
बन गई चुश्त सिपाही बिल्ली।
बिल में चूहे दौड़ लगाते
भूख के मारे बैठ न पाते।
बाहर आने से अब डरते
दिनभर उपाय विचारा करते।
फिर भी घबराते रहते हैं
कर न दे कहीं खिंचाई बिल्ली।
हफ्ते भर में हिम्मत टूटी
बचने की उम्मीद भी छूटी।
सब बोले-'अब छोड़ो यह घर
दिल से नहीं हट पाता डर ।
कहीं भी गुजारा कर लेंगे'
सुन मन में मुस्काई बिल्ली।

■ रामेश्वर काम्बोह 'हिमांशु'

अप्पू...

एक दिन नन्हा, नटखट अप्पू
चुनमुन के घर आया,
बोला एक आइडिया चुनमुन
मेरे मन में आया।
जमकर करूं पढ़ाई, फिर मैं
बनूं बड़ा एक अफसर,
मेरी मदद करो तो चुनमुन
पढ़ लूं मैं भी अक्षर।
चुनमुन बोला बात ठीक है
चलना तुम स्कूल,
पाठ पढ़ाऊंगा मैं अप्पू
यदि जाओगे भूल।
नई किताबें, बस्ता लेकर
अप्पू पढ़ने जाएगा,
चुनमुन का है पक्का वादा
पूरा साथ निभाएगा।

■ प्रकाश मनु

• चुटकुला...

पापा- सोनू क्या बात है तेरी मम्मी आज इतनी चुप-चाप क्यों बैठी है?
सोनू- बस ऐसे ही पापा, मम्मी ने मुझसे लिपस्टिक मांगी थी तो मैंने गलती से फेवीस्टिक दे दी है।
पापा (हंसते हुए)- जुग-जुग जिओ मेरे लाल... भगवान सभी को ऐसा ही बेटा दे...

• जानकारी...

इन जानवरों को नहीं लगती है ठंड

दुनियाभर के कई देशों में इस समय जमकर ठंडी पड़ रही है। कुछ जगहों पर तो तापमान माइनस में चला गया है। ऐसे में इंसानों के साथ जानवरों को भी दिक्कत का सामन करना पड़ रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ जानवर ऐसे होते हैं, जिन्हें ठंड नहीं लगती है और वो बहुत आसानी से बर्फ में घूमते हैं। जी हां, आज हम आपको एक ऐसे जानवर के बारे में जो बर्फ पड़ने पर भी घूमता रहता है।

माइनस में जा रहा तापमान-भारत समेत दुनिया के अधिकांश देशों में ठंड पड़ रही है। कुछ जगहों पर तो लोग ठंड के कारण बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। क्योंकि वहां पर तापमान माइनस में जा रहा है। इतना ही नहीं ठंड बढ़ने से इंसानों के साथ जानवरों को भी दिक्कत हो रही है, कई बार स्थिति इतनी गंभीर बन जाती है कि ठंड के कारण जानवरों की मौत भी हो जाती है। लेकिन कुछ जानवर ऐसे भी हैं, जो इस ठंड में बर्फ में घूमते हैं और उन्हें ठंड नहीं लगती है। जी हां, आज हम आपको एक ऐसे जानवर के बारे में बताएंगे, जो बर्फ और स्नोफॉल होने पर भी बाहर घूमता है।

इन जानवरों को नहीं लगती ठंड-धरती पर कई ऐसे जानवर हैं, जिन्हें ठंड नहीं लगती है। इसमें ग्रेट ग्रे उल्लू भी है, जिसे ठंड का पता नहीं चलता है। इसके अलावा मस्कॉक्सन नाम का एक भेड़ भी है, जिसे ठंड नहीं लगती है। वो उन से भी ज्यादा गर्म होता है। इसके अलावा कहा जाता है कि टाइगर्स को भी ठंड नहीं लगती है। वहीं टाइगर्स की प्रजाति में ही एक स्नो लैपड होता है, जो सिर्फ पहाड़ी क्षेत्रों में ही पाया जाता है।

ध्रुवीय भालू बर्फ में सोने में माहिर-अब आप ये सोचिए कि ठंड में इंसान को बाहर निकलने में दिक्कत होती है, तो कोई व्यक्ति बर्फ में ज्यादा देर तक कैसे रह सकता है। लेकिन ध्रुवीय भालू एक ऐसा जानवर है, जो बर्फ में हमेशा रहता है। इतना ही नहीं वो बर्फ में सो भी सकता है। क्योंकि ध्रुवीय भालू को भी ठंड नहीं लगती है, ये भालू अपनी त्वचा के 4 इंच नीचे तक चर्बी की परत बना लेता है। यही कारण है कि उसे ठंड नहीं लगती है और वो स्नोफॉल और बर्फ में घूमता रहता है।

• जातक कथा

महिलामुख हाथी

उस सौम्य हाथी में आये आकस्मिक परिवर्तन से सारे लोग हैरान परेशान हो गये। राजा ने जब महिलामुख के लिए एक नये महावत की नियुक्ति की तो उसे भी वैसे ही मार डाला।

इस प्रकार उसने चार अन्य परवर्ती महावतों को भी कुचल कर मार डाला। एक अच्छे हाथी के बिगड़ जाने से राजा बहुत चिंतित था। उसने फिर एक बुद्धिमान वैद्य को बुला भेजा और महिलामुख को ठीक करने का आग्रह किया...

एक राजा के अस्तबल में महिलामुख नाम का एक हाथी रहता था जो बहुत ही सौम्य था तथा अपने महावत के लिए परम स्वामिभक्त और आज्ञाकारी भी।

एक बार अस्तबल के पास ही चोरों ने अपना अड्डा बना लिया। वे रात-बिरात वहाँ आते और अपनी योजनाओं और अपने कर्मों का बखान वहाँ करते। उनके कर्म तो उनकी क्रूरता आदि दुष्कर्मों के परिचायक मात्र ही होते थे। कुछ ही दिनों में उनकी क्रूरताओं की कथाएँ सुन-सुन महिलामुख की प्रवृत्ति वैसी ही होने लगी। दुष्कर्म ही तब उसे पराक्रम जान पड़ने लगा। तब एक दिन उसने चोरों जैसी क्रूरता को उन्मुख हो, अपने ही महावत को उठाकर पटक दिया और उसे कुचल कर मार डाला।

उस सौम्य हाथी में आये आकस्मिक परिवर्तन से सारे लोग हैरान परेशान हो गये। राजा ने जब महिलामुख के लिए एक नये महावत की नियुक्ति की तो उसे भी वैसे ही मार डाला। इस प्रकार उसने चार अन्य परवर्ती महावतों को भी कुचल कर मार डाला। एक अच्छे हाथी के बिगड़ जाने से राजा बहुत चिंतित था। उसने फिर एक बुद्धिमान वैद्य को बुला भेजा और महिलामुख को ठीक करने का आग्रह किया। वैद्य ने हर तरह से हाथी और उसके आसपास के माहौल का निरीक्षण करने के बाद पाया कि अस्तबल के पास ही चोरों का एक अड्डा था, जिनके दुष्कर्मों की कहानियाँ सुन महिलामुख का हृदय भी उन जैसा भ्रष्ट होने लगा था।

बुद्धिमान वैद्य ने तत्काल ही राजा से उस अस्तबल को कड़ी निगरानी में रखने की और चोरों के अड्डे पर संतों की सत्संग बुलाने का अनुरोध किया। राजा ने बुद्धिमान वैद्य के सुझाव को मानते हुए वैसा ही करवाया। संतों की वाणी सुन-सुन कर महिलामुख भी संतों जैसा व्यवहार करने लगा। महिलामुख की दिमागी हालत सुधर जाने से राजा बहुत प्रसन्न हुआ और वैद्य को प्रचुर पुरस्कार देकर ससम्मान विदा किया।

आम चोर

गंगा के किनारे एक कुटिया बनाकर कोई ढोंगी सन्यासी रहा करता था। उसने अपनी

कुटिया के पास एक आम का बगीचा बना रखा था और हर वह गलत काम करता जो एक सन्यासी के आचरण के प्रतिकूल था। शक्र ने जब उसकी लालच आदि कुवृतियां देखी तो उसे सबक सिखाने का निर्णय किया।

एक दिन वह ढोंगी सन्यासी जब भिक्षा मांगने पास के गाँव में गया तो शक्र ने उसके सारे आम तोड़ कर गायब कर दिये।

शाम को जब वह अपनी कुटिया में लौटा तो बगीचे की अच्छी धुनाई देखी। और तो और उसके सारे आम भी गायब थे। खिन्न वह वहीं खड़ा था तभी एक श्रेष्ठि की चार पुत्रियाँ बगीचे के करीब से गुजरीं। ढोंगी ने उन्हें बुला उनपर आरोप लगाया कि वे चोर हैं। अपनी सफाई में चारों कन्याओं ने पैरों पर बैठकर कसमें खाईं कि उन्होंने कोई चोरी नहीं की थी। ढोंगी ने तब उन्हें छोड़ दिया, क्योंकि उसके पास आरोप सिद्ध करने के लिए कोई प्रमाण नहीं था।

शक्र को उन कन्याओं का अपमान नहीं भाया। वह तब एक भंयकर रुप धारण कर ढोंगी के सामने प्रकट हुआ। शक्र के रूप से डर वह ढोंगी सदा-सदा के लिए ही उस स्थान को छोड़ भाग गया।

• रोचक...

हवाई जहाज का टायर

हवाई जहाज के प्रमुख पार्ट्स में टायर भी एक होता है। क्योंकि 200 से 250 टन वजन वाला विमान लगभग 150 से 250 मील प्रति घटे की रफ्तार से उतरता है। आप सोचकर देखिए कि इस दौरान टायर को कितना प्रेशर झेलना पड़ता होगा। हवाई जहाज के टायर 45 इंच के सिंथेटिक रबर के यौगिक संयोजन के साथ बनाएं जाते हैं। इनमें एल्यूमीनियम स्टील को कपड़े के साथ जोड़ा जाता है, जो नायलॉन और आर्मीड से बनाए जाते हैं। वहीं सभी टायरों में 200 पाउंड प्रति वर्ग इंच दबाव के साथ नाइट्रोजन गैस भरी जाती है। बता दें कि नाइट्रोजन एक अक्रिय गैस है। इसलिए इसपर उच्च तापमान और दबाव परिवर्तन का सामान्य हवा की तुलना में कम प्रभाव पड़ता है। हवाई जहाज के टायर का लगभग 500 बार इस्तेमाल हो जाने के बाद उन्हें रिट्रेड करने के लिए प्लेन से हटा दिया जाता है। इसके बाद इन पर फिर से ग्रिप चढ़ाई जाती है, जिसके बाद इन्हे फिर से 500 बार इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तरह इन पर कुल 7 बार ग्रिप चढ़ाई जा सकती है। वहीं टायरों में नाइट्रोजन गैस भरी जाती है, जिससे अमूमन कभी नहीं फटते हैं।

• ट्रेन...

भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। यहां हर दिन लाखों यात्री ट्रेन से सफर करते हैं और करीब 13 हजार ट्रेन हर दिन रेलवे द्वारा संचालित की जाती है। लेकिन रेलवे में अलग-अलग क्लास में सफर करने के लिए हर यात्री को टिकट लेना जरूरी होता है। रेलवे की ट्रेनों में जनरल, स्लीपर, एसी (थर्ड, सेकंड और फर्स्ट) कई तरह की क्लास के ऑप्शन में से आप अपनी सुविधा और बजट के हिसाब से यात्रा कर सकते हैं।